प्रादर्श परीक्षा, 2014
हिंदी
कक्षा – नवमीं

समय : 3 घंटे | पूर्णांक : 90

खंड-क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए— 5

काशी के सेठ गंगादास एक दिन गंगा में स्नान कर रहे थे कि तभी एक व्यक्ति नदी में कूदा और डुबकियाँ खाने लगा। सेठजी तेजी से तैरते हुए उसके पास पहुँचे और किसी तरह खींचकर उसे किनारे ले आए। वह उनका मुनीम नंदलाल था। उन्होंने पूछा आपको किसने गंगा में फेंका। नंदलाल बोला, किसी ने नहीं, मैं तो आत्महत्या करना चाहता था। सेठजी ने इसका कारण पूछा तो उसने कहा, मैंने आपके पाँच हजार रुपये चुराकर सट्टे में लगाए और हार गया। मैंने सोचा कि आप मुझे जेल भिजवा देंगे इसलिए बदनामी के डर से मैंने मर जाना ही ठीक समझा। कुछ देर तक सोचने के बाद सेठजी ने कहा, "तुम्हारा अपराध माफ़ किया जा सकता है लेकिन एक शर्त है कि आगे से कभी किसी प्रकार का सट्टा नहीं लगाओगे।" नंदलाल ने वचन दिया कि वह अब ऐसे काम नहीं करेगा। सेठ ने कहा—"जाओ माफ़ किया। पाँच हजार रुपये मेरे नाम घरेलू खर्च में डाल देना।" मुनीम भौंचक्का रह गया। सेठजी ने कहा, "तुमने चोरी तो की है लेकिन स्वभाव से तुम चोर नहीं हो। तुमने एक भूल की है, चोरी नहीं। जो आदमी अपनी एक भूल के लिए मरने तक की बात सोच ले वह कभी चोर हो नहीं सकता।"

(*i*) सच्चे भक्त से तात्पर्य है—
(क) बिना स्वार्थ के पूजा करना (ख) रोज मंदिर जाना
(ग) एक ही भगवान की पूजा करना (घ) अपने धर्म में कट्टरता।

(*ii*) मुनीम आत्महत्या क्यों करना चाहता था?
(क) जीवन से छुटकारा पाने के लिए (ख) सेठजी को प्रभावित करने के लिए
(ग) दुनिया को दिखाने के लिए (घ) अपराध बोध होने के कारण।

(*iii*) हमें समाज में किस चीज का डर सबसे ज्यादा होता है?
(क) परिवार का (ख) नौकरी का
(ग) रुतबे का (घ) बदनामी का।

(*iv*) सेठजी को मालूम था कि मुनीम चोर है, लेकिन फिर उन्होंने उसे छोड़ दिया क्योंकि—
(क) बाद में उसे जीवन-भर गुलाम बनाना चाहते थे
(ख) भूल सुधारने का मौका देना चाहते थे
(ग) दुनिया को प्रभावित करना चाहते थे
(घ) समाज में अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाना चाहते थे।

(*v*) गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है—
(क) चोरी का सजा (ख) सेठ जी का विचार
(ग) सेठजी की दयालुता (घ) मुनीम जी का दुख।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर बहुविकल्पी प्रश्नों से सही उत्तर चुनिए— 5

मनुष्य की आदतें बचपन में ही बनाई जाती हैं, पौधे को जैसी खाद और मिट्टी शुरू में दी जाती है, वह उसी का आदी हो जाता है। देश का भला इसी में है कि लोगों को बचपन से ही मेहनती बनाया जाए और इन्हें कम खर्ची और कुर्बानी के सबक सिखाए जाएँ। उन्हें वीरता के किस्से सुनाए जाएँ, जिससे छोटी उम्र में उनके कोमल हृदय में वीरता के पौधे उगने लगें। कुछ लोगों का मत है कि बच्चों को पूर्ण स्वतंत्रता देनी चाहिए। किंतु हम ऐसी स्वतंत्रता के पक्ष में नहीं हैं, जिससे बच्चे पथ-भ्रष्ट हो जाएँ। आज के बालक की कल के नागरिक होते हैं। उन्हीं पर देश का भविष्य निर्भर करता है। अतः उन्हें आरंभ से ही सीधी राह पर चलाना चाहिए अन्यथा बात बिगड़ जाने पर पश्चाताप के आँसू ही हाथ लगेंगे।

(*i*) देश का भला किस बात में है?

(क) लोगों का बचपन से मेहनती बनाया जाए
(ख) हथियार बढ़ाने में
(ग) जनसंख्या घटाने में
(घ) फ़ौज घटाने में।

(*ii*) देश के लोगों को कौन-से सबक सिखाने चाहिए?

(क) परीक्षा देने के (ख) कम खर्ची और कुर्बानी के
(ग) मुकाबला करने के (घ) इनमें से कोई नहीं।

(*iii*) देश का भविष्य किन पर निर्भर होता है?

(क) राजनेताओं पर (ख) शिक्षकों पर
(ग) आज के बच्चों पर (घ) खिलाड़ियों पर।

(*iv*) बच्चों को अधिक स्वतंत्रता देने से किस बात का खतरा अधिक बना रहता है?

(क) अशिक्षित रह जाने का (ख) खो जाने का
(ग) जिम्मेदार होने का (घ) उनके पथ-भ्रष्ट होने का।

(*v*) गद्यांश में निहित 'कुर्बानी' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) पराक्रम (ख) कायरता
(ग) बलिदान (घ) सहजता।

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए— 5

वे मुस्काते फूल नहीं—जिसको आता है मुरझाना,
वे तारों के दीप नहीं—जिनको भाता है बुझ जाना,
वे नीलमं से मेघ, नहीं—जिनको है घुल जाने की चाह,
वह अनंत ऋतुराज, नहीं—जिससे देखी जाने की राह।
वे सूने से नयन नहीं—जिनमें बनते आँसू मोती,
वह प्राणों की सेज, नहीं—जिनमें बेसुध पीड़ा सोती।
ऐसा तेरा लोक, वेदना नहीं, नहीं जिसमें अवसाद,
जलना जाना नहीं, नहीं—जिसने जाना मिटने का स्वाद!
क्या अमरों का लोक मिलेगा तेरी करुणा का उपहार?
रहने दो हे देव! अरे यह मेरा मिटने का अधिकार।

(*i*) काव्यांश का उचित शीर्षक बताएँ—

(क) मुसकाते फूल (ख) मिटने का अधिकार
(ग) ऋतुराज (घ) फूल।

(*ii*) नए फूल कब खिलते हैं?

(क) गर्मी (ख) वर्षा

(ग) सर्दी (घ) पुराने फूल मुरझाकर गिर जाने के बाद।

(*iii*) बसंत ऋतु अर्थहीन कब हो जाती है?

(क) मार्च

(ख) अपनी समय-सीमा को त्याग कर

(ग) फूल न खिलने पर

(घ) अधिक फूल खिलने पर सारा साल बने रहने पर।

(*iv*) वेदना का लोक कौन-सा होता है?

(क) ब्रह्म लोक (ख) विष्णु लोक

(ग) संसार (घ) पाताल।

(*v*) मिटने का स्वाद क्या होता है?

(क) हँस-हँस कर जीना (ख) हँस-हँस कर बलिदान देना

(ग) कर्मवीर बनना (घ) वैभव प्राप्त करना।

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए— 5

तेरे घर के द्वार बहुत हैं
किसमें होकर आऊँ मैं?
सब द्वारों पर भीड़ मची है,
कैसे भीतर जाऊँ मैं?
द्वारपाल भय दिखलाते हैं,
कुछ ही जन जाने पाते हैं,
शेष सभी धक्के खाते हैं,
क्यों कर घुसने पाऊँ मैं?
तेरे घर के द्वार बहुत हैं,
किसमें होकर आऊँ मैं?
मुझमें सभी दैन्य दूषण हैं,
नहीं वस्त्र तक, क्या भूषण हैं,
किंतु यहाँ लज्जित पूषण हैं,
अपना क्या दिखलाऊँ मैं?
तेरे घर के द्वार बहुत हैं,
किसमें होकर आऊँ मैं?
मुझमें तेरा आकर्षण है,
किंतु यहाँ धन संघर्षण है,
इसलिए दुर्द्धर घर्षण है,
क्यों कर तुझे बुलाऊँ मैं?
तेरे घर के द्वार बहुत हैं,
किसमें होकर आऊँ मैं?
तेरी विभव कल्पना करके,
उसके वर्णन के मन भर के,
भूल रहे हैं जन बाहर के,

कैसे तुझे भुलाऊँ मैं,
तेरे घर के द्वार बहुत हैं,
किसमें होकर आऊँ मैं?
बीत चुकी है बेला सारी,
किंतु न आई मेरी बारी,
करूँ कुटी की अब तैयारी,
वहीं बैठ गुन गाऊँ मैं,
तेरे घर के द्वार बहुत हैं,
किसमें होकर आऊँ मैं?

(i) कवि ने किसके घर के अनेक द्वारों से भीतर जाने की बात कही है?
(क) नेता (ख) गुरु
(ग) ईश्वर (घ) धन-संपन्न व्यक्ति।

(ii) भीतर प्रवेश पाने की इच्छा करने वालों को भयभीत करते हैं—
(क) द्वारपाल (ख) सिपाही
(ग) दंडकारी (घ) रक्षक।

(iii) कवि किसे कभी नहीं भुलाना चाहता?
(क) पत्नी (ख) संतान
(ग) देश (घ) ईश्वर।

(iv) कवि ने कहाँ बैठकर गुनगान करने का निश्चय किया है?
(क) महल (ख) कुटी
(ग) मंदिर (घ) वन।

(v) 'बीत चुकी है बेला सारी'—अलंकार का नाम लिखिए—
(क) रूपक (ख) उपमा
(ग) श्लेष (घ) अनुप्रास।

खंड-ख

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 7

(क) 'औसर' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'दु' उपसर्ग से एक शब्द बनाइए।
(ग) 'सूँघनी' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।
(घ) 'आक' प्रत्यय से एक शब्द बनाइए।

निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए—
(i) नीलकंठ (ii) स्वर्ग प्राप्त (iii) भर पेट।

6.(i) अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों की पहचान करके उनके भेद लिखिए— 1 × 4 = 4

(क) आह! कितना मनमोहक बागीचा है।
(ख) रमन स्कूल जाओ।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए—
(क) युक्ता और लीसा को साथ रहना चाहिए। (प्रश्नवाचक में)
(ख) कल कौन आया था? (विधानवाचक में)

7. निम्नलिखित पद्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों की पहचानकर उनके नाम लिखिए— $1 \times 4 = 4$

(क) को घटि ये वृषभानुजा वे हलधर के बीर

(ख) दीनबंधु दुखियों का दुख कब दूर करोगे ?

(ग) रती-रती सोभा सब रती के सरीर की।

(घ) आए महंत बसंत।

खंड-ग

8. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 5

'मुझे मारेगा, तो मैं भी एक-दो को गिरा दूँगा।'

'नहीं। हमारी जाति का यह धर्म नहीं है।'

मोती दिल में ऐंठकर रह गया। गया आ पहुँचा और दोनों को पकड़कर ले चला। कुशल हुई कि उसने इस वक्त मारपीट न की, नहीं तो मोती भी पलट पड़ता। उसके तेवर देखकर गया और उसके सहायक समझ गए कि इस वक्त जाना ही मसलहत है।

(*i*) गया ने बैलों को क्यों नहीं मारा ?

(क) प्रेम के कारण (ख) आक्रमण के डर से

(ग) पशु के कारण (घ) इनमें से कोई नहीं।

(*ii*) मोती के हृदय में बदला लेने के कौन-से भाव थे ?

(क) करुण (ख) स्नेही

(ग) उग्र (घ) मधुर।

(*iii*) गया ने बैलों को किसमें जोता था ?

(क) घर में (ख) लकड़ी में

(ग) ट्रैक्टर में (घ) हल में।

(*iv*) हीरा की नाक पर डंडे किसने मारे ?

(क) झूरी (ख) मोती

(ग) गया (घ) रामू।

(*v*) इस कथनों में क्रोध भरी आवाज किसकी है ?

(क) हीरा (ख) मोती

(ग) गया (घ) इनमें से कोई नहीं।

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए— $2 \times 5 = 10$

(क) 'दो बैलों की कथा' कहानी में निहित संदेश स्पष्ट कीजिए।

(ख) गाय ने जब बैलों को हल में जोता तो बैलों पर क्या प्रतिक्रिया हुई ?

(ग) 'ल्हासा की ओर' यात्रा वृत्तांत के आधार पर बताइए कि उस समय का तिब्बती समाज कैसा था ?

(घ) यात्रा वृत्तांत गद्य साहित्य की एक विधा होती है, स्पष्ट कीजिए।

(ङ) आपके अनुसार वस्तुओं को खरीदने का आधार वस्तु की गुणवत्ता होनी चाहिए या उसका विज्ञापन ? तर्क देकर स्पष्ट करें।

10. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 5

संतों भाई आई ग्यॉन की आँधी रे।

भ्रम की टाटी सबै उड़ाँनी, माया रहै न बाँधी॥

हिति चित्त की दवै थूँनी गिराँनी, मोह बलिंडा तूटा॥

त्रिस्नाँ छाँनि पर घर ऊपरि, कुबधि का भाँडाँ फूटा॥

जोग जुगति करि संतौं बाँधी, निरचू चुवै न पाँणी।

कूड़कपट काया का निकस्या, हरि की गति जब जाँणी।
आँधी पीछै जो जल बूठा, प्रेम हरि जन भींनाँ।
कहै कबीर भाँन के प्रगटे उदति भया तम खीनाँ॥

(क) कवि ने भ्रम नष्ट होने तथा ज्ञान की प्राप्ति का रूपक किसकी सहायता से बाँधा है? 2

(ख) तृष्णा रूपी छप्पर को भूमि पर किसने गिरा दिया? 1

(ग) अज्ञान का अंधकार किस कारण क्षीण हुआ था? 1

(घ) पद में निहित काव्य-सौंदर्य को प्रतिपादित कीजिए। 1

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए— 2 x 5 = 10

(क) 'मानसरोवर' से कवि का क्या आशय है?

(ख) 'भेद न कर हिन्दू-मुसलमां' में निहित अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ग) रसखान के काव्य की विशेषता लिखिए।

(घ) कवि माखनलाल चतुर्वेदी ने शासन की तुलना किससे की है?

(ङ) कबीर के अनुसार 'सहज दुलीचा' क्या है?

12. बाढ़ का स्वरूप भयंकर होता है। अपने विवेक के आधार पर बताइए कि बाढ़ का मानव के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है और बाढ़ पीड़ितों की सहायता किस प्रकार की जा सकती है? 5

खंड—घ

13. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए— 10

(क) आपदा-प्रबंधन
- भूमिका
- दोषी कौन
- सरकार की जिम्मेदारी
- नागरिकों के कर्तव्य
- उपसंहार।

(ख) नगरों में बढ़ता प्रदूषण
- भूमिका
- प्रदूषण
- वाहनों से उत्पन्न समस्याएँ
- जनसंख्या में वृद्धि
- प्रदूषण पर रोक के सुझाव
- उपसंहार।

(ग) नारी शक्ति
- भूमिका
- नारी का स्वरूप
- प्राचीन ग्रंथों में नारी
- नारी के बिना नर
- नारी की सक्षमता
- उपसंहार।

14. भारत सरकार के गृह मंत्रालय के सचिव की ओर से मुख्य सचिव, उड़ीसा सरकार को सूखा पीड़ितों के लिए सहायता अनुदान देने का पत्र लिखें। 5

15. बाल-मजदूरी की रोकथाम करने वाली समिति की जाँच का प्रतिवेदन लिखिए। 5

***